कन्हैया तुम्हें एक नज़र देखना है | By Mukesh Bagda |

कन्हैया तुम्हें एक नज़र देखना है
जिधर तुम छुपे हो उधर देखना है
कन्हैया तुम्हें एक नज़र देखना है
कन्हैया तुम्हें एक नज़र देखना है

विदुर और भीलनी के घर भी तुमने देखे
हमारे भी घर को तुम्हें देखना है
कन्हैया तुम्हें एक नज़र देखना है
कन्हैया तुम्हें एक नज़र देखना है

उबारा था जिस कर से गिद्ध और गज को
उन हाथों का हमको हुनर देखना है
कन्हैया तुम्हें एक नज़र देखना है
कन्हैया तुम्हें एक नज़र देखना है

तपकते हैं दृग बिंदु कहकर ये तुमसे
तुम्हें अपनी उल्फत में डर देखना है
कन्हैया तुम्हें एक नज़र देखना है
कन्हैया तुम्हें एक नज़र देखना है

लगी हैं निगाहें दर पे हमारी
बुलाकर रहेंगे हम तुमको मुरारी
हमें आज चाहत का असर देखना है
कन्हैया तुम्हें एक नज़र देखना है

कन्हैया तुम्हें एक नज़र देखना है
जिधर तुम छुपे हो उधर देखना है
कन्हैया तुम्हें एक नज़र देखना है
कन्हैया तुम्हें एक नज़र देखना है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0-%e0%a4%a6/